Allotment of C.G.H.S. Flats in Dwarka, Delhi

SHRI SYED AZEEZ PASHA (Andhra Pradesh): Mr. Deputy Chairman, Sir, I am raising an issue of allotment of flats in Dwarka, Delhi, which is pending for long.

Sir, this to inform you that there is severe scarcity of residential houses in Delhi. Around 10,000 CGHS flats built in 2005 are still vacant/unoccupied in Dwarka, Delhi. These flats are getting damaged day by day. Several fixtures have been stolen. Even important implements in electric lifts have also been stolen. Hence this will definitely add burden on the exchequer. Sir, despite the Delhi High Court judgement dated 25.8.2008, issuing guidelines and a timeframe for allotment/draw of lot to those 57 societies which had undergone CBI investigations — the timeframe given by the hon. High Court ended in February 2009 — unfortunately, nothing has been done so far. Out of the 57 societies, none of the society has been allotted flats despite the fact that most of these societies have already submitted the requisite documents for draw of lot to the Office of the Registrar of Cooperative Societies, Delhi soon after the Delhi High Court judgement dated 25.8.2008.

More than 60 to 70 per cent of the members awaiting allotment are senior citizens, retired Government officers, war widows, exservicemen and women members who had paid full money, four to five years back, towards the cost of construction of flats from their life time saving/hard earned money and by securing home loans from the banks. Apart from paying EMIs to banks for repaying their home loans and house rent for their rented accommodation, these suffering members have to shell out monthly maintenance charges for their build up flats from 2005 onwards. Several times, this issue was raised in the House and various forums outside the House. I met the hon. Lt. Governor along with the beneficiaries, not once but twice. Even though the hon. Lt. Governor expressed very serious concerns and gave concrete directions, but till now there seems to be no concrete result. When we saw the things not moving properly, we sought the intervention of Shrimati Sonia Gandhi, the UPA Chairperson who was kind enough to immediately call a meeting of the hon. Minister of Urban Development, along with the Lt. Governor and the Chief Minister of Delhi. In spite of the high level meeting, the issue is still pending. Hence this unwarranted delay is causing unnecessary anxiety and agony in the minds of thousands of families whose sufferings and miseries are increasing with every passing day.

Therefore, I insist upon the Government to immediately allot the flats to these suffering members. Thank you.

Deaths due to Swine Flu in Rajasthan

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी (राजस्थान) : माननीय उपसभापति महोदय, मैं एक बहुत संवेदनशील मामले की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। राजस्थान में जो स्वाइन फ्लू है, वह काबू से बाहर हो गया है। पिछले नवंबर से, जब से यह शुरू हुआ है, इतनी बड़ी संख्या में मौतें हो रही हैं। स्थिति यह हो गई है कि कल राजस्थान में 6 मौतें हो गईं। पिछले कुछ समय में 28 मौतें हो गई हैं। जयपुर में 12 मौतें हो गई हैं और 755 केस जयपुर में पॉज़िटिव पाए गए हैं। 1,860 लोग इसकी चपेट में आ गए हैं। मैं कहना चाहता हूं कि आखिर किस परिमाण में स्वाइन फ्लू का प्रसार राजस्थान की धरती पर हो रहा है। हालत यह हो गयी है कि सरकार

ने आदेश दे दिए हैं, एक महीने से स्कूल बंद हैं, बच्चों की पढ़ाई नहीं हो रही है। सीनियर स्कूल्स में बच्चों की परीक्षा का क्या होगा, कुछ पता नहीं है। हालत यह हो गयी है कि प्राइवेट डॉक्टर्स, जो इलाज कर रहे हैं, वे उनका शोषण कर रहे हैं और गवर्नमेंट डॉक्टर्स की हालत यह है कि चिकित्सकों के दो केसेज़ हो गए हैं, वे मैदान छोड़कर भाग गए, अस्पताल में मिलते नहीं हैं। उनको डर लगने लग गया है कि कहीं उनको भी फ्लू न हो जाए। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि जो स्थिति वहां बन गयी है, उसके बाद वहां क्या हालत हो गयी है। असेंबली पर रोक लग गयी है, लोग वहां इकट्ठे नहीं हो सकते। बात भी सही है। संक्रामक रोग एक-दूसरे से फैलता है। लेकिन मैं आपके मार्फत कहना चाहता हूं कि थोड़े समय पहले एक बड़े युवा नेता, मैं उनका नाम नहीं लेना चाहता, राजस्थान की धरती पर गए। वहां पर हजार-दो हजार लोग इकट्ठे हुए, सामूहिक डिसकशंस हुए। इस प्रकार से सरकारी आदेशों की धज्जियां उड़ रही हैं। असेम्बली न होने का कारण दिया जा रहा है, लेकिन असेम्बली हो रही है। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि चिकित्सकों की एक कमेटी बनी थी। उसने रिपोर्ट दी है कि शादियों के कारण भी फ्लू फैल रहा है। अब शादियां नहीं होंगी तो क्या होगा? 12 तारीख लास्ट डेट है। उसके बाद बड़ा भारी प्रतिबंध है। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि यह विषय इतना गंभीर हो गया है कि अब केन्द्र सरकार को इसके बीच में आना चाहिए। Epidemics Act लागू किया जाए। इसकी चर्चा चलती है लेकिन कुछ होता नहीं है। अगर चालू हो गया तो सरकार पर जिम्मेदारी होगी। डॉक्टर्स conscious होंगे, लोगों का इलाज चलेगा। कल ही की एक घटना आपको बताना चाहता हूं। हमारे सीनियर एमएलए, वह मंत्री रह चुके हैं, उनके साढ़ू के लड़के को उदयपुर में फ्लू हुआ, लेकिन उसे देखने के लिए कोई तैयार नहीं था इसलिए उन्हें उसे लेकर अहमदाबाद जाना पड़ा। वहां पहुंचते-पहुंचते उसकी मृत्यु हो गयी। मैं आपसे कहना चाहता हूं ..**(व्यवधान)**..

श्री नरेन्द्र बुढानिया (राजस्थान) : सर, यह बिल्कुल गलत सूचना है। राजस्थान सरकार इसके प्रति पूरी तरह से सजग है। ..**(व्यवधान)**..

श्री उपसभापति : आप उनको कहने दीजिए।

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी : सर, मैं आपके मार्फत कहना चाह रहा हूं..**(व्यवधान)**.. सर, मेरा समय लिया जा रहा है।..**(व्यवधान)**.. मैं कहना चाहता हूं कि राजस्थान सरकार को चेताएं, कम से कम intervene करें, यहां से चिकित्सक भेजें क्योंकि वहां पर सरकारी अस्पताल से चिकित्सक भाग रहे हैं, वे फेस नहीं करना चाहते। ऐसी स्थिति में Epidemics Act लागू किया जाए। निश्चित रूप से उसकी कल्पना की जाए, वहां पर लोगों को राहत दी जाए और ऐसे काम किए जाएं ताकि उसका प्रसार एकदम रुक सके। यही मेरा आपके माध्यम से निवेदन है। ...**(समय की घंटी)**... सर, अभी मेरा समय बाकी है। मैं एक और बात आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि अगर राजस्थान की सरकार काम नहीं कर रही है तो केन्द्र क्यों नहीं intervene करती? उसे केस की तह तक जाना चाहिए, अपने हाथ में लेना चाहिए, वहां पर सहयोग करना चाहिए और स्वाइन फ्लू के प्रकोप के प्रसार को बंद करने की कोशिश करनी चाहिए। धन्यवाद।

श्री कृष्ण लाल बाल्मीकि (राजस्थान) : महोदय, मैं माननीय सदस्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The House is adjourned for lunch for one hour.

The House then adjourned for lunch at eighteen minutes past one of the clock.

The House re-assembled, after lunch, at twenty minutes past two of the clock, MR. DEPUTY CHAIRMAN in the Chair.